www.ccsuniversity.ac.in www.ccsutsmc.in

मासिक समाचार पत्र

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ

परिसर

विशेषांक 2022

सीसीएसयू शीर्ष 25 संस्थानों में शामिल 2
सीसीएसयू का अंतरराष्ट्रीय आगाज 3
विवि ने पेटेन्ट में सिद्ध की पारंगतता 4
दीक्षांत समारोह से पहले हुआ दीक्षोत्सव 6

दीक्षांत समारोह में छा गईं बेटियां

दीक्षांत समारोह के दौरान मेधावी छात्रा को डिग्री और पदक प्रदान करतीं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल। साथ में है मुख्य अतिथि डॉ. जतिंदर कुमार बजाज और कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला। दाएं अपने स्वर्ण पदकों के साथ प्रसन्न मुद्रा में खड़ीं मेधावी छात्राएं।

कुलाधिपति का कुप्रथाओं के खिलाफ आंदोलन का आह्वान

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय का 34वां दीक्षांत समारोह बृहस्पतिवार 15 दिसंबर को धूमधाम से संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि 2017 से 2021 तक देश में दहेज के कारण 35 हजार महिलाओं को अपनी जान गंवानी पड़ी। इस ओर समाज के हर वर्ग को चिंता करनी चाहिए और दहेज प्रथा को बंद करने के लिए समाज के अग्रणी लोगों, नेताओं व अन्य को इसके खिलाफ आंदोलन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बाल विवाह जैसे कार्य समाज में हो रहे हैं, इस पर भी हमें शर्म आनी चाहिए।

कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय को भी बाल विवाह और दहेज प्रथा के विरोध में नाटक लिखने व गांव–गांव में नुक्कड़ नाटकों के जरिए समाज को जागरूक करने को कहा। उन्होंने कहा कि समाज में बदलाव भी आ रहा है। जब वह स्कूल में पढ़ती थीं तब वह स्कूल की अकेली छात्रा थी। हाईस्कूल में तीन छात्राएं थीं और कॉलेज में एक हजार छात्रों में वह अकेली थीं। अब समाज यहां तक बदल गया है कि 70 प्रतिशत से अधिक बेटियों को स्वर्ण पदक मिले हैं। ऐसे समाज में दहेज प्रथा होना और दहेज के कारण बेटियों की जान जाना, दोनों दुर्भाग्यपूर्ण है।

कुलाधिपति ने कहा कि लड़के पांच प्रतिशत कम पढ़ें तो चलेगा लेकिन लड़कियां सौ प्रतिशत पढ़नी चाहिए। एक लड़की पढ़ती है तो सात पीढ़ियां आगे बढ़ती हैं। बच्चों को संस्कार मां देती है। मां ही अनपढ़ रहेगी तो बच्चों में संस्कार कैसे आएगा। उन्होंने कहा कि समाज को बदलना है और भारत को विश्व गुरु बनाना है तो अभिभावक बेटियों को जरूर पढ़ाएं।

कुलाधिपति ने कहा कि 70 प्रतिशत स्वर्ण पदक जीतने पर बेटियों को बधाई और 30 प्रतिशत छात्रों को विशेष बधाई। अगले वर्ष 90–10 का अनुपात न हो, इसलिए छात्र और मेहनत करें और इसे 50–50 कर बराबरी पर लाने का प्रयास करें।

इससे पहले दीक्षा समारोह में राज्यपाल को 50 एनसीसी कैडेट्स ने गार्ड ऑफ आर्नर दिया। शोभायात्रा के साथ सभागार में पहुंची कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय के प्रति सकारात्मक धारणा बनाने में सभी का आह्वान किया।

कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने विश्वविद्यालय की कुलाधिपति और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि का परिचय कराया। साथ ही विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। संचालन कुलसचिव धीरेंद्र कुमार ने किया।

समझाया दीक्षांत का महत्व

परिसर संवाददाता

मेरठ। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि आईसीएसएसआर नई दिल्ली के अध्यक्ष पदमश्री डॉ. जतिंदर कुमार बजाज ने समारोह में कहा कि भारतीय परंपरा में और भारतीय सभ्यता के मूलभूत साहित्य में दीक्षांत को बहुत महत्त्व दिया गया है। यह वह संधिवेला है जब आप जीवन की एक अवस्था को पूर्ण कर दूसरी में प्रवेश करते हैं। ब्रह्मचर्याश्रम से गृहस्थाश्रम की ओर बढ़ते हैं। अब तक आप विद्यार्थी थे। अपने भरण एवं संरक्षण के लिये परिवार–समाज एवं राष्ट्र पर निर्भर थे। दीक्षांत के पश्चात् आप स्वयं जीविकोपार्जन करेंगे, अर्थोपार्जन करेंगे और न केवल अपने अपितु परिवार, समाज एवं राष्ट्र के भरण–पोषण में भी समर्थ बनेगे। अब तक आप अन्यों पर निर्भर थे। अब अन्य आप पर निर्भर होंगे।

डॉ. जेके बजाज ने कहा कि जीवन की इस अवस्था का जिसमें अब आप प्रवेश करने वाले हैं, गृहस्थाश्रम का, समाज व जीवन में बहुत ऊंचा स्थान है। महाभारत के शांतिपर्व में जब धर्मपुत्र युधिष्ठर अपने बंधु–बांधवों से लड़ने से बचने के लिए रिक्ति की ओर उन्मुख होने लगते हैं तो उनके चारों भाई, अर्जुन, सहदेव, नकुल और भीम बारी–बारी से उन्हें गृहस्थाश्रम का महत्व समझाते हैं। अंत में द्रौपदी स्वयं अपनी ओर से और मां कुंती के आशीर्वचनों का उल्लेख कर उन्हें बताती है कि समाज के समर्थ घटक बनकर अर्थोपार्जन करते हुए अन्य सब का भरण–पोषण एवं संरक्षण करना ही उनके लिये धर्म–सम्मत मार्ग है। इस महान् उत्तरदायित्व से बचकर संन्यास की बात करना तो कायरता ही है। गृहस्थाश्रम की ऐसी महिमा है।

बजाज ने कहा कि राष्ट्र पुनः जागृत होता दिख रहा है। सब ओर एक नई ऊर्जा दिख रही है। नए–नए उद्योग स्थापित हो रहे हैं। कृषि सुदृढ़ हो रही है। लोग अपने धर्म के प्रति सजग–सन्निष्ठ हो रहे हैं। अमृत काल के पांच संकल्प के साथ आगे बढ़ते हुए भारत 2047 तक विकसित देश बन जाएगा। उन्होंने पांच संकल्पों में विकसित भारत, दासता से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता के साथ ही नागरिकता का कर्तव्य भी बताया जिससे उभरते भारत में हर नागरिक का योगदान हो सके।

स्वर्ण पदक पाने वालों में दो तिहाई से अधिक छात्राएं

दीक्षांत समारोह में कुल 195 मेधावियों को 228 स्वर्ण पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस वर्ष भी स्वर्ण पदक पाने वाले मेधावियों में बेटियों की संख्या अधिक ही नहीं बल्कि दो तिहाई से अधिक रही। दीक्षांत समारोह में मेडल पाकर छात्र–छात्राओं के चेहरे खिले हुए थे। पहली बार कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने सभी टॉपर्स को अपने हाथ से मेडल पहनाए।

ये है कुल स्वर्ण पदक

- वर्ष 2021 के शेष व 2022 के लिए कुल 165 कुलपति स्वर्ण पदकों में 45 छात्र व 120 छात्राओं को स्वर्ण पदक व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए
- 59 प्रायोजित स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इसमें भी 79.66 प्रतिशत छात्राएं और 20.34 प्रतिशत छात्र थे
- प्रायोजित स्वर्ण पदकों में 12 छात्र व 47 छात्राएं शामिल रहीं।
- कुलाधिपति व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंच पर कुल 63 स्वर्ण पदक प्रदान किए।
- इनमें 59 प्रायोजित स्वर्ण पदकों के अलावा एक–एक कुलाधिपति पदक व पूर्व राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक और दो चौधरी चरण सिंह स्मृति प्रतिभा पुरस्कार प्रदान किए गए।

उपाधियां भी छात्राओं की ही दोगुनी

सीसीएसयू की ओर से इस दीक्षा समारोह के बाद कुल 1,31,193 उपाधियां भी भेजी जाएंगी। इनमें भी छात्राओं की उपाधियां छात्रों की तुलना में दो तिहाई हैं।

कुल उपाधियों में से 33.18 प्रतिशत यानी 43,53,4 उपाधियां छात्रों की हैं और 66.82 प्रतिशत यानी 87,659 उपाधियां छात्राओं की हैं।

इसमें यूजी, पीजी, पीएचडी सभी उपाधियां शामिल हैं।

नव वर्ष में मिला नव नेतृत्व : प्रोफेसर संगीता शुक्ला जी के रूप में विश्वविद्यालय को 2022 में नया नेतृत्व मिला। प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने 24 दिसंबर 2021 को मेरठ पहुंचकर कार्यभार ग्रहण किया था और 30 दिसंबर को अधिकारियों व शिक्षकों के साथ पहली बैठकर करके कार्य शुरू कर दिया था। प्रोफेसर शुक्ला विश्वविद्यालय की पहली महिला स्थायी कुलपति और कुल 30वीं कुलपति हैं। उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय तीव्र गति से अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ रहा है।

2022 में सीसीएसयू के बढ़ते कदम...

सीसीएसयू की ऊंची छलांग, देश के शीर्ष 25 संस्थानों में शामिल

अगस्त माह में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के लिए एक बहुत बड़ी खुशखबरी आई। देश की प्रतिष्ठित और शैक्षणिक संस्थाओं की रैंकिंग करने वाली पत्रिका में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ को पूरे देश में 24वां स्थान प्राप्त हुआ। उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में उसे दूसरा स्थान मिला।

यह पत्रिका प्रत्येक वर्ष विभिन्न मानकों के आधार पर रैंकिंग करती है। इन मानकों में प्रमुख रूप से अकादमिक एवं शोध, छवि, कार्यशैली, आधारभूत ढांचा, व्यक्तित्व और नेतृत्व विकास क्षमता, करियर और प्लेसमेंट जैसे महत्वपूर्ण आयाम इसका हिस्सा रहते हैं।

ईडीयू रैंकिंग में भी उल्लेखनीय प्रदर्शन

प्रतिष्ठा, रिसर्च और एल्युमिनी इम्पेक्ट के पैमाने पर ईडीयू रैंक (एजू रैंक) द्वारा जारी रैंकिंग में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय को देशभर में 86वीं रैंकिंग मिली। उत्तर प्रदेश से इस रैंकिंग में केवल तीन राज्य विश्वविद्यालय जगह बना पाए, जिनमें सीसीएसयू दूसरे नंबर पर है। प्रदेश के कुल 11 उच्च शिक्षण संस्थान इस सूची में जगह बना पाए।

ईडीयू रैंक वेबसाइट के अनुसार रैंकिंग के लिए भारत के 876 विश्वविद्यालय से 1.3 मिलियन पब्लिकेशन मिले, 18.2 मिलियन साइटेशन का विश्लेषण हुआ। इसमें 2872 प्रतिष्ठित एल्युमिनी को भी आंका गया।

10 विश्वविद्यालयों में शामिल होने का प्रयास करेंगे

विश्वविद्यालय के इस प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि हम अकादमिक और शोध में निरंतर उत्कृष्टता की ओर बढ़ रहे हैं। साथ ही विश्वविद्यालय में नैक मूल्यांकन भी होने वाला है। विश्वविद्यालय के सभी विभाग अपनी–अपनी समस्य गतिविधियों की पिछले पांच वर्षों की जानकारी दे चुके हैं। उसे देखने से प्रतीत होता है कि हम निश्चित रूप से बेहतर स्थिति में हैं। आने वाले पांच वर्षों का हमने रोडमैप तैयार कर लिया है, जो छात्र–छात्राओं, शोधार्थियों और शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाएगा। साथ ही हम देश के प्रमुख 10 विश्वविद्यालयों में शामिल हों, इसके लिए निरंतर प्रयास करेंगे।

इसके बाद विश्वविद्यालयों की रैंक तय की गई। ईडीयू रैंक का हैडक्वार्टर लेबनान में है।

खेलो इंडिया में 212 विश्वविद्यालयों में सीसीएसयू को 15वां स्थान

2022 में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के छात्र– छात्राओं ने उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि देश भर के विश्वविद्यालयों में अपना नाम रोशन किया है। बेंगलुरु में आयोजित हुई खेलो इंडिया गेम्स प्रतियोगिता की अंक तालिका में सीसीएसयू ने 15वां स्थान हासिल किया है, जबकि उत्तर प्रदेश के गोरखपुर यूनिवर्सिटी को 40वां स्थान मिला।

विश्वविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ गुलाब सिंह रूहल ने बताया कि बेंगलुरु में आयोजित हुई खेलो इंडिया गेम्स प्रतियोगिता में सीसीएसयू के 43 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग करके 14 मेडल प्राप्त किए। इस प्रतियोगिता में कुल 212 यूनिवर्सिटी ने भाग लिया था। इनमें सीसीएसयू के खिलाड़ियों ने 7 गोल्ड, 5 रजत, 2 कांस्य पदक प्राप्त किए।

43 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग करके 14 मेडल प्राप्त किए

उपलब्धि : मीडिया संस्थानों की रैंकिंग में तिलक स्कूल को छठा स्थान

देशभर के मीडिया विश्वविद्यालयों व संस्थानों की रैंकिंग में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल को देश में सरकारी विश्वविद्यालयों में छठवां स्थान मिला है। उत्तर प्रदेश के सरकारी संस्थानों में दूसरा स्थान मिला है। वहीं उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में सीसीएसयू को पहला स्थान यानी पहली रैंकिंग मिली है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के मीडिया विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में भी सरकारी विश्वविद्यालयों व संस्थानों में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय को तीसरी रैंक मिली है। राष्ट्रीय स्तर पर पूरे देश के सरकारी एवं निजी मीडिया संस्थानों में 32वां रैंक है।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के प्रवक्ता एवं पत्रकारिता विभाग के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार ने बताया इंडिया टुडे की ओर से की जाने वाली इस रैंकिंग में विश्वविद्यालय ने पहली बार हिस्सा लिया था और पहली बार में ही उन्हें यह सफलता मिली है।

इस प्रक्रिया में विश्वविद्यालयों व संस्थानों को विभिन्न स्तर पर आकलन के जरिए रैंकिंग प्रदान की गई है। इसमें प्रवेश की प्रक्रिया, गवर्नेंस,

अकादमिक उत्कृष्टता, इंफ्रास्ट्रक्चर, परिवेश, व्यक्तित्व एवं नेतृत्व क्षमता का विकास, करियर में प्रगति एवं प्लेसमेंट की उपलब्धता, पाठ्यक्रमों में उद्देश्यपरकता, अवधारणा जैसी श्रेणियां इस रैंकिंग का आधार है। रैंकिंग में सरकारी एवं निजी विश्वविद्यालयों व संस्थानों को शामिल किया गया है।

कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने विभाग को बधाई देते हुए कहा के विद्यार्थियों को अच्छे वातावरण देने के साथ ही उनको इंडस्ट्री के अनुरूप तैयार कर रोजगार के अवसर प्रदान कराने में मदद करें। डिजिटल मीडिया के युग में विद्यार्थी स्वरोजगार की ओर भी अग्रसर हो सकें, इसमें विश्वविद्यालय को प्रयास करना होगा।

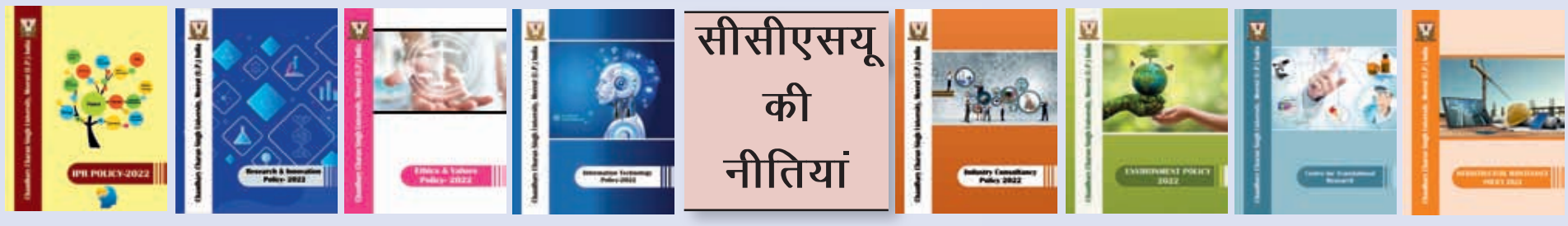

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय का शोध पहुंचा कारखाने तक

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में पहली बार लैब में हुए शोध को उद्योग घराने को प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय के केमिस्ट्री विभाग की ओर से विकसित आरकेएसएमटी लेयर तकनीक देश के कांच उद्योग को आत्मनिर्भर बनाएगी। अब ग्लास इंडस्ट्री को चीन से आने वाले पालीविनाइल ब्यूट्रील पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

सोमवार 29 अगस्त को विश्वविद्यालय में इस आशय का तकनीक हस्तांतरण हुआ। कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने मेसर्स सिद्धि विनायक इंडस्ट्रीज लुधियाना को तकनीक प्रदान की। इसके बदले विश्वविद्यालय को 50 लाख रुपये मिले। वर्ष 2015 में भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और सिद्धि विनायक इंडस्ट्रीज ने 'डेवलपमेंट आफ नोवल यूपी एंड थर्मल क्यूरेबल फार्मुलेशन फार ग्लास फार स्ट्रक्चरल एंड आर्किटेक्चरल एप्लीकेशंस' नामक शोध सीसीएसयू के केमिस्ट्री विभागाध्यक्ष प्रो. आरके सोनी को दिया था। प्रो. सोनी ने इस शोध पर एसोसिएट प्रोफेसर डा. मीनू तेवतिया के साथ मिलकर काम किया। दोनों लोगों ने सुरक्षित कांच उत्पादन के लिए जरूरी पालीविनाइल ब्यूट्रील लेयर के विकल्प की तकनीक विकसित की। जिसका नाम दोनों ने अपने नाम पर ही आरकेएसएमटी लेयर रखा और पेटेंट भी कराया।

टूटने पर नहीं बिखरता है कांच

पालीविनाइल ब्यूट्रील का इस्तेमाल दो कांच के बीच एक लेयर के तौर पर होता है। यह सबसे अधिक इस्तेमाल की जाने वाली इंटरलेयर सामग्री है। भारत में इसकी शीट सबसे ज्यादा चीन से आयात होती है। दो कांच के बीच इस्तेमाल इस लेयर से कांच सुरक्षित बनता है। दुर्घटना होने पर लेयर के दोनों ओर लगे कांच के टुकड़े बिखरने की बजाय इसी लेयर से चिपके रहते हैं। ऐसे सुरक्षित कांच का इस्तेमाल रेलवे, आटो मोबाइल, ऊंची इमारतों, रक्षा, विमान, समुद्री जहाजों व घरेलू प्रयोगों के सामान में किया जाता है।

तीन चरण में होगा हस्तांतरण

इस शोध में तीन तकनीक विकसित की गई है। इनमें आर्कीटेक्चरल ग्लास, आटोमोबाइल ग्लास व सिक्योरिटी ग्लास बनाए जा सकेंगे। विदेशों से आने वाली लेयर महंगी है और बनाने की प्रक्रिया भी जटिल है।

डा. मीनू तेवतिया के बताया कि तीनों तकनीक क्रमवार तीन चरणों में इंडस्ट्री को प्रदान की जाएंगी। कुलपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत बनाने के आह्वान की दिशा में सीसीएसयू का योगदान है।

सीसीएसयू के दो प्रोफेसर बने कुलपति : विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार हुआ कि यहां के दो–दो प्रोफेसर एक साथ कुलपति नियुक्त हुए। प्रोफेसर हृदय शंकर सिंह को जहां सहारनपुर में खुले मां शाकंभरी विश्वविद्यालय का कुलपति बनाया गया, वहीं सीसीएसयू के ही जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग के प्रोफेसर प्रदीप कुमार शर्मा को आजमगढ़ राज्य विश्वविद्यालय की कमान सौंपी गई।

सीसीएसयू का अंतरराष्ट्रीय आगाज

मर्डोक विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया के साथ शोध करेंगे छात्र

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ एवं मर्डोक यूनिवर्सिटी आस्ट्रेलिया के बीच बुधवार 13 जुलाई को दिल्ली के ताज होटल में एमओयू यानी मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर हुए। इस अवसर पर आस्ट्रेलिया के शिक्षा, खेल एवं धरोहर मंत्री डेविड टेंपलेमैन ने कहा कि यह एमओयू भारत और आस्ट्रेलिया के बीच न केवल शिक्षा, शोध, फैकल्टी एक्सचेंज कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों को भी मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि भारत में मेधा का भंडार है। हम इस मेधा को एक प्लेटफार्म उपलब्ध कराएंगे जिससे शोध के क्षेत्र में नए आयाम और कीर्तिमान स्थापित हो सके।

नई दिल्ली में सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर करतीं कुलपति और मर्डोक विश्वविद्यालय के पदाधिकारी।

पांच साल का है एमओयू

इस एमओयू का कार्यकाल पांच वर्ष का है। इसके नोडल अधिकारी के रूप में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के कृषि वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर शैलेंद्र शर्मा और मर्डोक यूनिवर्सिटी आस्ट्रेलिया की ओर से प्रसिद्ध वैज्ञानिक और सेंटर फार क्राप एंड फूड इनोवेशन, ऑस्ट्रेलिया के निदेशक प्रोफेसर राजीव वार्ष्णेय रहेंगे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह एमओयू सामरिक संबंधों के साथ–साथ कृषि, लॉ, जनसंचार, मनोविज्ञान एवं फिजिकल साइंस के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने में महती भूमिका निभाएगा। कहा कि हमारे विश्वविद्यालय के शोधार्थी एवं विद्यार्थी मर्डोक विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया के साथ मिलकर शोध के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेंगे। उन्होंने विश्वास किया कि हम मिलकर नए आयाम एवं नवीन शोध दुनिया को दे सकेंगे।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का यह पहला ऐसा है एमओयू है। प्रोफेसर वार्ष्णेय ने अपनी मातृ संस्था के साथ अपने वर्तमान विश्वविद्यालय के इस समझौता ज्ञापन पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा, हम मर्डोक विश्वविद्यालय से सभी विषयों में शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में सीसीएस विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

मर्डोक यूनिवर्सिटी की प्रति कुलपति कैली स्मिथ ने कहा, हम इस सहयोग से बहुत उत्साहित हैं और मर्डोक विश्वविद्यालय में नेतृत्व टीम, संकायों और छात्रों की मेजबानी करने के लिए तत्पर हैं।

यूके की वैदिक गणित संस्था संग करार

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के गणित विभाग ने इस वर्ष इंस्टीट्यूट फार एडवांसमेंट ऑफ वैदिक मैथमेटिक्स, यूनाइटेड किंगडम के साथ बेहद महत्वपूर्ण सहयोग समझौता किया। इंस्टीट्यूट फार एडवांसमेंट ऑफ वैदिक मैथमेटिक्स वैदिक गणित का उच्च स्तरीय संस्थान है जिसमें यूके, यूएसए, साउथ अफ्रीका, नीदरलैंड, फिलीपींस आदि करीब 16–17 देशों में प्रतिनिधि कार्य कर रहे हैं। अब सीसीएसयू ने इनके साथ मिलकर वैदिक गणित में नए शोध कार्य करेगा।

विदेशी भी वैदिक गणित के महत्व को पहचान रहे

अब विदेशी भी वैदिक गणित के महत्व को पहचान रहे हैं। इसका उदाहरण आइएवीएम के चेयरमैन जेम्स ग्लोवर ने वैदिक गणित के सूत्रों के उच्चारण से किया। यह वैदिक गणित संस्थान शोध कार्य के लिए देश–विदेश में जाना जाता है। कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला और आइएवीएम के चेयरमैन जेम्स ग्लोवर ने करार पर हस्ताक्षर किया। एमओयू के अंतर्गत दोनों संस्थान के शिक्षक व शोधार्थी आपसी तालमेल करके वैदिक गणित के नए आयामों पर कार्य करेंगे। विश्वविद्यालय एवं आइएवीएम मिलकर नए अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य करेंगे जिससे भविष्य में शोध कार्य को आगे बढ़ाया जा सके।

विश्वविद्यालय में समझौते के दौरान विदेशी संस्थान के प्रतिनिधि, कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला व सीसीएसयू के शीर्ष पदाधिकारी और शिक्षक।

भौतिकी विभाग का पिट्सबर्ग यूनिवर्सिटी से सहयोग समझौता

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग और नेशनल इंस्टीट्यूट आफ मैटीरियल्स एडवांसमेंट एनआइएमए पिट्सबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी अमेरिका के बीच 15 जुलाई को एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। यह समझौता अकादमिक और वैज्ञानिक शोध के क्षेत्र में समान हितों को ध्यान में रखते हुए उत्कृष्ट कार्य कर समाज को लाभ पहुंचाने के लिए किया गया है।

विश्वविद्यालय के शिक्षक विज्ञान, मानविकी, कला और अभियांत्रिकी के क्षेत्र में विशेषज्ञता के आधार पर शोध को प्रोत्साहन देंगे। दोनों विश्वविद्यालय के स्नातक, परास्नातक और पीएचडी शोधार्थियों के समान हितों को ध्यान में रखते हुए शोध को प्रोत्साहन देना भी एमओयू का उद्देश्य है। दोनों संस्थानों के शिक्षकों और छात्रों को एक दूसरे के यहां परस्पर संवाद और अध्ययन का मौका मिलेगा। समझौते के अनुसार दोनों विश्वविद्यालयों के शिक्षकों और वैज्ञानिक एक दूसरे के विश्वविद्यालयों में शोध निदेशक बन सकेंगे। दोनों विश्वविद्यालयों की प्रयोगशालाओं के प्रयोग करने का अवसर छात्रों को मिलेगा। कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि इस प्रकार के समझौते से शोधार्थियों को अच्छा प्लेटफार्म मिलेगा। उन्हें अपनी प्रतिभा को निखारने का मौका मिलेगा।

पत्रकारिता के छात्रों को नए अवसर देने वाला समझौता

सहयोग समझौते के दौरान कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला और विश्वविद्यालय तथा मीडिया फेडरेशन के पदाधिकारी।

विश्वविद्यालय स्थित तिलक पत्रकारिता और जनसंचार स्कूल के छात्रों को इंटर्नशिप और रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सोमवार छह जून को विश्वविद्यालय ने मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया के साथ सहयोग समझौता किया। इस समझौते के तहत छात्रों के लिए प्लेसमेंट की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला और मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सचिव ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत छात्रों और शिक्षकों को विभिन्न कार्यक्रमों में भी आमंत्रित किया जाएगा। छात्रों को मीडिया विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित भी किया जाएगा। इसी के साथ तिलक स्कूल भी मीडिया फेडरेशन की गतिविधियों और कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करेगा।

आईआईटी रुड़की के साथ शोध करेगा सीसीएसयू

अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के अतिरिक्त चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने इस वर्ष देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ भी सहयोग समझौता करने के लिए कदम बढ़ाया है। इसके तहत शुक्रवार 7 जनवरी 2022 को आईआईटी रुड़की के साथ एक करार हुआ।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि आईटी ट्रेनिंग, कौशल विकास और स्टार्ट अप के लिए यह महत्वपूर्ण एमओयू होगा। विज्ञान के साथ इंजीनियरिंग के छात्रों को भी इसका लाभ मिलेगा। शिक्षकों को भी तकनीकी के क्षेत्र में नए–नए कोर्स की ट्रेनिंग की सुविधा मिलेगी।

इस अवसर पर आईआईटी रुड़की के प्रोफेसर संजीव मन्हास ने बताया कि एमओयू से भारत सरकार की डिजिटलाइजेशन योजना को भी बढ़ावा मिलेगा।

आर्टिफिशियल इंटीलेजेंस, डाटा साइंस और स्वच्छ ऊर्जा जैसे विषयों पर शोध अनुसंधान और प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा।

गणित विभाग का आईएफटीएम के साथ एमओयू

विश्वविद्यालय के गणित विभाग ने इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय करार के साथ ही आईएफटीएम विवि मुरादाबाद के साथ भी समझौता किया है। एमओयू के अंतर्गत शिक्षक, शोधार्थी व छात्र–छात्राओं को आपसी तालमेल के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। इसी के साथ दोनों विश्वविद्यालय मिलकर नए अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य करेंगे और किए गए शोध कार्य को प्रकाशित किया जाएगा। सेमिनार, वर्कशाप, फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम और अन्य शैक्षिक क्रियाकलापों में सहभागिता करेंगे। इसके अंतर्गत कई शार्ट टर्म शैक्षिक कार्यक्रम भी शुरू होंगे। इस अवसर पर कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला, कुलसचिव धीरेंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

नीम, हल्दी के नैनो पार्टिकल तैयार करेगा सीसीएसयू

आयुर्वेदिक औषधियों व उत्पादों को बनाने वाली बेंगलुरू की कंपनी नेचुरा बायोटेक्नोल के साथ चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने सहयोग समझौता (एमओयू) किया है। इस एमओयू के तहत विश्वविद्यालय नीम, हल्दी, गिलोय, अश्वगंधा, जौ, मैथी, जामुन, करेला सहित 10 प्राकृतिक आयुर्वेदिक सामग्रियों के नैनो पार्टिकल तैयार करेगा।

पेटेन्ट कराने के बाद उत्पाद तैयार होंगे। सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, डीन ऑफ साइंस प्रतिनिधि प्रोफेसर जयमाला, कुलसचिव धीरेंद्र कुमार और नेचुरा बायोटेक्नोल कंपनी की ओर से कार्यकारी निदेशक नम्रता शील वार्ष्णेय, निदेशक व सीईओ डॉ. पंकज वार्ष्णेय और निदेशक व सीओओ शेखर चतुर्वेदी मौजूद रहे।

संरक्षक : प्रोफेसर संगीता शुक्ला (कुलपति), **मुख्य संपादक** : प्रोफेसर प्रशांत कुमार, **संपादक** : डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, **समाचार संपादक** : लव कुमार सिंह, **संपादकीय टीम** : बीजेएमसी और एमजेएमसी के छात्र–छात्राएं।

प्लास्टिक वेस्ट से बने बैन्च लगाए गए : विश्वविद्यालय परिसर में प्लास्टिक वेस्ट से बने बैन्च और

ट्री–गार्ड लगाए गए हैं। दिल्ली की कंपनी से हुए करार के बाद विश्वविद्यालय की ओर से कंपनी को प्लास्टिक वेस्ट भी मुहैया कराया जायेगा। साथ ही पौधों व पेड़ों की सुरक्षा के लिये टी–गार्ड लगाए जायेंगे। यह सामान बारिश और धूप में खराब नहीं होंगे और देखने में भी अच्छे हैं। एक ई–रिक्शा भी खरीदा गया है जो बुजुर्ग या जरूरतमंदों को संबंधित विभागों में पहुंचाएगा।

विश्वविद्यालय ने पेटेन्ट में सिद्ध की पारंगतता

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के बौद्धिक सम्पदा प्रकोष्ठ (आईपी सेल) द्वारा 2022 में अगस्त–सितंबर के दौरान कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला के निर्देशन में करीब एक माह में ही 17 पेटेन्ट आवेदन प्रस्तुत किए गए, जिनमें से सात पेटेन्ट प्रकाशित हुए। विश्वविद्यालय के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि थी।

आईपी सेल के नोडल अधिकारी प्रोफेसर शैलेंद्र सिंह गौरव के अनुसार प्रकाशित सात पेटेन्ट में से तीन पेटेन्ट भौतिकी विभाग, दो आनुवांशिकी और पादप प्रजनन विभाग, एक रसायन विभाग और एक जन्तु विज्ञान विभाग से प्रकाशित हुआ।

उपलब्धि : एक माह में सात पेटेन्ट प्रकाशित

इस दौरान 17 पेटेन्ट फाइल किए गए, सभी प्रकाशित पेटेन्ट समाज के लिए उपयोगी

प्रो. वीरपाल सिंह प्रो. शैलेंद्र गौरव प्रो. आरके सोनी प्रो. नीलू जैन गुप्ता

भौतिकी विभाग के तीन पेटेन्ट विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर वीरपाल सिंह ने प्रकाशित कराए हैं।

आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर शैलेंद्र सिंह गौरव ने दो पेटेन्ट प्रकाशित कराए हैं।

रसायन विभाग का पेटेन्ट विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर आरके सोनी ने जबकि जन्तु विज्ञान विभाग का पेटेन्ट प्रोफेसर नीलू जैन गुप्ता ने प्रकाशित करवाया है।

प्रण : सौ गांवों में पुस्तकालय स्थापित करने की योजना

विश्वविद्यालय से संबद्ध छह जिलों के 100 गांवों में सौ पुस्तकालय स्थापित करने की योजना बनाई गई है। इसके लिए सीसीएसयू और ग्राम पाठशाला संस्था मिलकर काम करेंगे। ग्राम पाठशाला सात राज्यों के 350 गांवों में अपने खर्च पर पुस्तकालय स्थापित कर चुकी है।

सीसीएसयू ने ग्राम पाठशाला से पांच साल का करार किया है। दोनों सामाजिक गतिविधि, पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन शोध एवं प्रकाशत, स्टार्ट अप, सेमिनार और कार्यशाला के क्षेत्रों में भी काम करेंगी। कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने बताया कि विश्वविद्यालय, ग्राम पाठशाला के साथ सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को लाइब्रेरी से जोड़ेगा।

कुछ महत्वपूर्ण आयोजन

15 अगस्त पर भव्य प्रभात फेरी

गुरुकुल की बालिकाओं की आंखें बंद कर चित्रकारी।

व्यास समारोह में योग प्रदर्शन।

हरिशंकरी वृक्षारोपण

योग दिवस पर वृहद योग शिविर

व्यायामशाला का उद्घाटन

भविष्य को देखते हुए पठन–पाठन की तैयारी

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने 2022 में भविष्य को देखते हुए पठन–पाठन की तैयारियां शुरू की है। प्रदेश सरकार की ओर से जेवर में बनाई जा रही फिल्म सिटी के लिए निर्माता, निर्देशक, अभिनेता, अभिनेत्री, कैमरामैन, एडिटर आदि विश्वविद्यालय में तैयार होंगे। परिसर स्थित तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल और राजकीय डिग्री कालेज जेवर में सत्र 2022–23 में शुरू किए जा रहे नए पाठ्यक्रम इसी दिशा में एक कदम है। तिलक स्कूल और जेवर कालेज में इस वर्ष बैचलर इन फिल्म एंड थियेटर स्टडीज, बैचलर इन सिनेमैटोग्राफी और पीजी डिप्लोमा इन वीडियो एडिटिंग का पाठ्यक्रम शुरू हुआ। इसके बाद परिसर में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित स्टूडियो भी तैयार किया जा रहा है, जिसमें फिल्म निर्माण की अन्य बारीकियों सहित और भी प्रशिक्षण दिए जाएंगे।

इंडस्ट्री के लिए प्रोफेशनल तैयार करेंगे

प्रो. प्रशांत कुमार ने बताया कि जो इंडस्ट्री में चल रहा है उसे हमने सिलेबस का हिस्सा बनाया है। कोर्स तैयार करने में एक–एक बिंदु को मीडिया और फिल्म इंडस्ट्री के व्यवहारिक पक्ष को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। हम मीडिया, फिल्म, सिनेमा का व्यवहारिक ज्ञान रखने वाले प्रोफेशनल तैयार करेंगे।

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के निदेशक एवं विश्वविद्यालय के प्रेस प्रवक्ता प्रो. प्रशांत कुमार ने बताया कि विभाग ने डिप्लोमा, डिग्री व सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों के साथ 27 वैल्यू एडेड पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। इन्हें विभिन्न कोर्सेज के साथ जोड़ा गया है। बाहरी व्यक्ति, प्रोफेशनल या अन्य भी यह कोर्स कर सकेंगे। करीब 30 घंटे के इन कोर्स को महीने भर या सप्ताह भर में कार्यशाला के जरिए भी कराने की योजना है।

यह हैं वैल्यू ऐडेड पाठ्यक्रम

बीएजेएमसी आनर्स : डिजिटल जर्नलिज्म, एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशंस, फोटो जर्नलिज्म, मास मीडिया राइटिंग स्किल्स, कारपोरेट कम्यूनिकेशन एंड मीडिया मैनेजमेंट, रूरल एंड एनवायरनमेंटल कम्युनिकेशन, हिस्ट्री आफ प्रेस एंड मीडिया ला, डेवलपमेंट एंड इंटरनेशनल कम्यूनिकेशन, बिजनेस एंड स्पोर्ट्स जर्नलिज्म और मीडिया एंड कल्चरल स्टडीज।

एमएजेएमसी : हिस्ट्री आफ प्रेस मीडिया ला एंड एथिक्स, सोशल एंड पॉलिटिकल सिस्टम आफ इंडिया, डेवलपमेंट एंड इंटरनेशनल कम्यूनिकेशन, आइटी एंड कंप्यूटर एप्लीकेशन इन मास मीडिया, एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशंस, डिजिटल जर्नलिज्म, एनवायरमेंट कम्युनिकेशन और कम्युनिकेशन रिसर्च।

बैचलर इन फिल्म एंड थियेटर स्टडीज : एप्लाइड थिएटर, अंडरस्टैंडिंग फिल्म लैंग्वेज, कैमरा आपरेटिंग, प्री–प्रोडक्शन एंड पोस्ट–प्रोडक्शन टेक्निक्स, आर्ट आफ फिल्मेकिंग और एक्टिंग फार द कैमरा।

बैचलर इन सिनेमैटोग्राफी : इंट्रोडक्शन टू सिनेमैटोग्राफी और टेलीविजन फार्मेट्स एंड जेनरे और अंडरस्टैंडिंग कैमरा फार्मेट।

पीजी डिप्लोमा इन वीडियो एडिटिंग : बेसिक कांसेप्ट आफ एडिटिंग और आनलाइन एंड आफलाइन वीडियो एडिटिंग।

पहल

2022 में हुआ वीकेंड अभिव्यक्ति का शुभारम्भ

तिलक पत्रकारिता और जनसंचार स्कूल में इस वर्ष से प्रत्येक शनिवार को 'वीकेंड अभिव्यक्ति' के नाम से कार्यक्रम शुरू किया गया। इस कार्यक्रम के तहत छात्र–छात्राओं ने भाषण प्रतियोगिता, क्विज और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया। साथ ही छात्र–छात्राओं के लिए अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

अलग–अलग अवसर पर विभिन्न क्षेत्र के विशेषज्ञों ने छात्रों को बेहद उपयोगी व्याख्यान दिए। इनमें मदीहा शाह रसूल और अनामिका यदुवंशी ने व्यक्तित्व विकास पर, वरिष्ठ पत्रकार और यू–ट्यूबर हर्ष कुमार ने यू–ट्यूब के विविध आयामों पर, पंकज शर्मा ने सोशल मीडिया पर, डॉ. अपेक्षा चौधरी ने प्रेस संबंधी कानूनों पर, वरिष्ठ पत्रकार नरेंद्र कुमार ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के विविध आयामों पर, डॉ. मनीषा तेवतिया ने सोशल मीडिया और मानसिक स्वास्थ्य पर छात्र–छात्राओं का मार्गदर्शन किया।

नाट्य प्रस्तुति में अव्वल : तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के छात्र–छात्राओं की नाटक मंडली ने इस साल शारदा यूनिवर्सिटी नोएडा में हुए महोत्सव में भाग लिया और उनके द्वारा इस महोत्सव में महिला सशक्तीकरण पर प्रस्तुत किए गए नाटक को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। बाद में इस नाटक का मंचन दीक्षोत्सव के तहत हुए कार्यक्रम में भी किया गया।

सिनेमा की बारिकियों से रूबरू हुए छात्र

जनवरी माह में तिलक पत्रकारिता और जनसंचार स्कूल ने सात दिवसीय सिनेमैटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन किया। इसका उद्घाटन सत्र बृहस्पति भवन में आयोजित हुआ। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता डीडी न्यूज के सलाहकार संपादक अशोक श्रीवास्तव थे, जबकि मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश फिल्म विकास परिषद के उपाध्यक्ष तरुण राठी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने की।

अशोक श्रीवास्तव ने छात्रों को मेहनत करने की सलाह दी। साथ ही अपनी प्रतिभा को पहचानकर काम करने को कहा। उन्होंने कहा कि समय और परिस्थिति के अनुसार हमें स्वयं में बदलाव लाना चाहिए। तभी हम विभिन्न चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। पत्रकारिता में पढ़ने से ज्यादा सीखने की जरूरत होती है।

मुख्य अतिथि तरुण राठी ने नोएडा में बन रहे फिल्मसिटी को इस क्षेत्र के युवाओं के लिए एक बड़ा अवसर बताया। उन्होंने भी युवाओं से कहा कि यदि आपको कोई काम दिया जाए तो सौ रुपये के काम के लिए हजार रुपये का काम करके दिखाएं। ऐसा करने पर आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता।

अध्यक्षता कर रहीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि जितना आप पढ़ेंगे उतनी ही तरक्की करेंगे। उन्होंने युवाओं से रोज एक अखबार के एक–दो कॉलम को पढ़ने और अपने शब्दों में नोट्स बनाने को कहा। कला संकाय के अध्यक्ष प्रोफेसर नवीन चंद्र लोहनी ने भी विचार व्यक्त किए।

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार ने सभी का स्वागत किया। डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन श्रीमती बीनम यादव ने किया। उद्घाटन सत्र के बाद छात्र–छात्राओं को सात दिन तक अभिनय, सिनेमैटोग्राफी और फिल्म निर्माण की बारीकियों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण की जिम्मेदारी श्री नरेंद्र और फिल्मकार विलय शंकर ने निभाई। कार्यशाला के समापन पर छात्र–छात्राओं को प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

सीखे फिल्म निर्माण के गुर

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में नवंबर के प्रथम सप्ताह में चार दिवसीय फिल्म निर्माण और सिनेमैटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में फिल्म निर्देशक नितिन यदुवंशी ने छात्रों को फिल्म निर्माण की तमाम बारीकियों से परिचित कराया। उन्होंने फिल्म निर्माण के विभिन्न चरणों जैसे प्री–प्रोडक्शन, प्रोडक्शन और पोस्ट प्रोडक्शन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान बजट, टीम, लोकेशन, रिसर्च, पटकथा, शूटिंग, स्क्रीन प्ले आदि की चर्चा की। कार्यशाला के पहले दिन विभाग के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार, डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, नेहा कक्कड़, लव कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

तिलक स्कूल की महत्वपूर्ण गतिविधियां

नवप्रवेशी युवाओं का जोरदार स्वागत

तिलक पत्रकारिता और जनसंचार स्कूल में गुरुवार 17 नवंबर को बीजेएमसी और एमजेएमसी प्रथम सेमेस्टर के छात्र–छात्राओं का जोरदार स्वागत हुआ। अवसर था फ्रेशर्स पार्टी का जिसे बीजेएमसी तृतीय, पंचम और एमजेएमसी तृतीय सेमेस्टर के छात्र–छात्राओं ने आयोजित किया था। एप्लाइड साइंस विभाग के ऑडिटोरियम में आयोजित पार्टी में गीत, संगीत, नृत्य का खूब समां बंधा। नवप्रवेशी युवाओं ने इस दौरान अपनी प्रतिभा का बखूबी प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल ने बीजेएमसी प्रथम सेमेस्टर से दीक्षा धामा को मिस फ्रेशर और सूरज सिंह को मिस्टर फ्रेशर चुना। एमजेएमसी प्रथम सेमेस्टर से सावन कनौजिया और विदुषी अग्रवाल को क्रमश मिस्टर और मिस फ्रेशर चुना गया। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

'पुलिस और पत्रकारिता' पर गोष्ठी

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में 17 सितंबर को 'पुलिस और पत्रकारिता' विषय पर गोष्ठी का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि सीओ कोतवाली अरविंद चौरसिया ने कहा कि पत्रकारिता समाज के प्रहरी के रूप में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपा. लिका के कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुंचाती है। लोकतंत्र के तीन स्तंभों में संतुलन बनाने का कार्य भी पत्रकारिता का ही है। जनता और पुलिस के मध्य पत्रकारिता पुल का काम करती है। इन दोनों के बीच आपसी विश्वास बना रहना चाहिये। कला संकाय के अध्यक्ष प्रोफेसर नवीन चंद्र लोहानी ने कहा कि पत्रकारिता की भाषा का स्वरूप ऐसा होना चाहिए, जो समाचारों को सनसनीखेज बनाने से बचे। वरिष्ठ पत्रकार संतोष शुक्ला ने कहा कि एक पत्रकार को उम्रभर एक छात्र के रूप में रहना चाहिए। निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन डा. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने किया।

प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया

तिलक पत्रकारता और जनसंचार स्कूल में एनवायरमेंटल क्लब और नगर निगम के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभाग के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार ने छात्र–छात्राओं को इस संबंध में शपथ भी दिलाई। एनवायरमेंटल क्लब के संस्थापक सावन कनौजिया ने प्लास्टिक और पॉलीथिन से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी।

अंतिम वर्ष के छात्रों को समारोह में दी विदाई

तिलक पत्रकारिता और जनसंचार स्कूल में 5 सितंबर को बीजेएमसी छठे सेमेस्टर और एमजेएमसी तृतीय सेमेस्टर के छात्र–छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विदा ले रहे छात्र–छात्राओं के लिए कई प्रकार की प्रतियोगिता और गेम आयोजित किए गए। बीजेएमसी छठे सेमेस्टर से रोहित ठाकुर और सनोवर को क्रमशः मिस्टर और मिस फेयरवेल चुना गया। एमजेएमसी से संभव सैम और उर्मिला को मिस्टर व मिस फेयरवेल चुना गया। इस दौरान छात्र–छात्राओं का उत्साह देखते ही बनता था।

नवांकुर फिल्मोत्सव से युवाओं को मिला प्रतिभा दिखाने का अवसर

अभिनेता बनने के लिए खूबसूरत होना जरूरी नहीं है। बस आप में प्रतिभा होनी चाहिए। देश में सिनेमा को लेकर बहुत काम हो रहा है। अभिनय करने के लिए अब अनेक प्रकार के मंच आ गए हैं। इन मंचों के माध्यम से बहुत सारी प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। यह बात रविवार 30 अक्टूबर को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल और मेरठ चलचित्र सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित नवांकुर–22 फिल्म महोत्सव में आए प्रसिद्ध फिल्म निर्माता–निर्देशक मनोज अग्रवाल ने कही।

एप्लाइड साइंस आडिटोरियम में हुए कार्यक्रम में मनोज अग्रवाल ने कहा कि सपने देखना अच्छी बात है। सपने लेकर मुंबई आइए, बहुत सारे प्लेटफार्म हैं, जिस पर आपको काम मिल सकता है।

कला संकाय अध्यक्ष प्रो. नवीन चंद लोहनी ने कहा कि विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग में बहुत काम हो रहा है। नए–नए कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। आने वाले समय में स्कूल से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्क्रिप्ट लिखने वाले, फिल्म प्रोडक्शन व एडिटिंग करने वाले प्रतिभाशाली छात्र निकलेंगे। निर्णायक मंडल में डा. दिशा दिनेश, डा. प्रदीप पंवार व सुरेंद्र सिंह रहे। मेरठ चलचित्र सोसायटी के सचिव अमरीश पाठक व अध्यक्ष डा. मनोज श्रीवास्तव ने भी विचार व्यक्त किए। स्कूल के निदेशक प्रो. प्रशांत कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया। संचालन साक्षी, अदिति व वरुणिका शर्मा ने किया। नवांकुर–22 फिल्म महोत्सव के लिए 11 राज्यों से 48 फिल्में आईं। निर्णायक मंडल की स्क्रीनिंग के बाद 18 फिल्मों का चयन किया गया। इनमें पांच मिनट वाली 10 व 15 मिनट वाली आठ फिल्मों का प्रसारण किया गया।

पांच मिनट वाली फिल्मों में पुरस्कार

- **प्रथम**– अंतर
- **द्वितीय**– शुभ दीपावली
- **सांत्वना**–संकल्प, दर्द विभाजन का, द हेलमेट

15 मिनट वाली फिल्मों में पुरस्कार

- **प्रथम**– चप्पल
- **द्वितीय**– जीवन आनंद
- **सांत्वना**– कास्टलेस, मां की विरासत, सशक्त गांव–समृद्ध भारत

धरोहर हैं पुरातन छात्र : प्रो. संगीता शुक्ला

21 वर्ष पूर्ण : तिलक स्कूल ने किया पुरातन छात्र सम्मेलन

तिलक पत्रकारिता और जनसंचार स्कूल ने अपनी स्थापना के 21 वर्ष पूर्ण होने पर शनिवार 31 जुलाई को पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन बृहस्पति भवन में किया। इस दौरान कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि पुरातन छात्र, विभाग और विश्वविद्यालय की धरोहर होते हैं।

उन्होंने कहा कि पुरातन छात्र अपने कार्य क्षेत्रों में एक प्रकार से विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व ही करते हैं। इसीलिए पुरातन छात्रों की यह जिम्मेदारी होती है कि वे अध्ययन पूरा करने के बाद विभाग से जुड़े रहें। अपने अनुभव, जानकारी, तकनीकी ज्ञान, इंडस्ट्री की आवश्यकताओं से विभाग के नए साथियों को परिचित कराते रहें। विश्वविद्यालय की प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई विमला ने कहा कि पुरातन छात्र मिलन समारोह एक श्रृंखला है जिसमें न केवल विद्यार्थियों का परिचय होता है बल्कि नए विद्यार्थियों को बहुत कुछ जानने का अवसर मिलता है।

विभाग के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया और 21 साल के सफर की जानकारी दी। बताया कि विभाग 2001 में पत्रकारिता और जनसंचार विषय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम से शुरू हुआ था। वरिष्ठ पत्रकार अजय मित्तल ने लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की पत्रकारिता पर विचार प्रस्तुत किए। विभाग के पूर्व समन्वयक प्रोफेसर जेके पुंडीर ने विद्यार्थियों को समयबद्धता और अनुशासन का महत्व बताया। विभाग के पूर्व समन्वयक डॉ. असलम जमशेदपुरी ने छात्रों में तकनीकी और ज्ञान के समिश्रण पर जोर दिया। इस दौरान पुरातन और वर्तमान छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

परिसर के पेड़ों पर लगे क्यूआर कोड : विश्वविद्यालय परिसर में होर्टीकल्चर विभाग ने पेड़ों पर क्यूआर कोड लगाए हैं। मोबाइल कैमरे से इन क्यूआर कोड को स्कैन करते ही पेड़ की प्रजाति से संबंधित पूरा विवरण स्क्रीन पर होगा। विभाग के अनुसार परिसर में 70 प्रजातियों के 11,686 पेड़ हैं। इनमें 68 प्रजाति के पेड़ों की जियो टैगिंग की जा चुकी है और 351 पेड़ों में क्यूआर कोड लगाए गए हैं। औसतन हर प्रजाति के करीब पांच पेड़ों में यह क्यूआर कोड लगे हैं।

गर्भ में ही बच्चों को अच्छे संस्कार दें

समाज की सेवा

- राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के गोद लिए आंगनबाड़ी केंद्र में बांटी किट
- गर्भवती महिलाओं की गोदभराई और बच्चों का अन्नप्राशन कराया

राज्यपाल और कुलाधिपति की प्रेरणा से चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय आंगनबाड़ी केंद्रों को गोद ले रहा है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय की ओर से एक कार्यक्रम 15 दिसंबर को हस्तिनापुर के सैफपुर कर्मचंद गांव में आयोजित हुआ जिसमें राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने आंगनबाड़ी केंद्रों को सुविधा संपन्न बनाने के लिए प्री स्कूल किट का वितरण किया। साथ ही राज्यपाल ने गर्भवती महिलाओं की गोद भराई व बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया। उन्होंने गांव में स्कूल की विज्ञान लैब और वेलनेस सेंटर का उद्घाटन भी किया।

मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि महिलाओं को गर्भ में ही बच्चों को संस्कार देने चाहिए। महाभारत कालीन घटना का जिक्र करते हुए कहा कि सुभद्रा के गर्भ में जब अभिमन्यु थे तो उस समय भगवान कृष्ण ने उन्हें चक्रव्यूह की रचना का ज्ञान कराया था।

उन्होंने कहा कि सभी महिलाएं गर्भ के दौरान अच्छी किताबें पढ़ें, अच्छा खान–पान रखें। इसके साथ ही बच्चों को भी अच्छे संस्कार दें, जिससे वह एक जिम्मेदार नागरिक बनें और देश का नाम

रोशन करें।

राज्यपाल ने कहा कि सभी ग्रामीण अपने बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों पर भेजना सुनिश्चित करें, जहां पर वह बैठना सीखेंगे। टेबल पर लिखने सहित अक्षरों का ज्ञान उन्हें मिलेगा। बच्चों के खान–पान पर विशेष ध्यान रखें।

उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र से ही बच्चों की शिक्षा की शुरुआत होती है। हम सबको प्रयास करना चाहिए कि जो लोग सक्षम है वह आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए अपनी क्षमता के अनुसार दान देना चाहिए, जिससे सरकार इन आंगनबाड़ी केंद्रों को और हाईटेक और मजबूत कर सके।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि राज्यपाल की प्रेरणा से विश्वविद्यालय आंगनबाड़ी केंद्रों को गोद ले रहा है। उन्होंने बताया कि मेरठ जिले में 10 आंगनबाड़ी केंद्रों को गोद लिया गया है।

यादगार दिन : सीएम ने स्वयं बांटे फोन

विश्वविद्यालय में स्मार्ट फोन, टैबलेट वितरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला और सरकार के मंत्रीगण।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए 26 अगस्त का दिन बहुत यादगार रहा। इस दिन प्रदेश के मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय में पधारकर 312 छात्रों को टैबलेट और 700 छात्रों को स्मार्ट फोन वितरित किए।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस प्रेक्षागृह में छात्र–छात्राओं को स्मार्टफोन–टैबलेट वितरित करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरु की भूमिका में नजर आए। करीब 40 मिनट के संबोधन में उन्होंने कहा कि मेरठ को भूल गए तो देश का इतिहास डगमगा जाएगा। उन्होंने युवाओं से नए भारत के निर्माण में सहयोग देने के लिए कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा औघड़नाथ की ये धरती सिर्फ आस्था का ही केंद्र नहीं है, यहां से स्वाधीनता की लौ जली। धन सिंह कोतवाल और मातादीन वाल्मीकि के नेतृत्व में क्रांति का उद्गम हुआ।

सीएम ने कहा कि तकनीक का जमाना है, स्मार्टफोन–टैबलेट के साथ जुड़कर आगे बढ़ो। कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं होता, उसे योग्य योजक की आवश्यकता होती है। युवाओं की देश में बड़ी आबादी उत्तर प्रदेश में है, जिस पर हम सबको गर्व होना चाहिए।

सीएम योगी ने छात्रों को नशे से दूर रहने को कहा। सीएम ने युवाओं से कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव से जुड़ें। ऐतिहासिक हस्तिनापुर पर विवि के 100–100 छात्र–छात्राएं शोध करें। गांवों में क्रांति की अलख जगाने वालों का इतिहास तलाशकर पंद्रह अगस्त 2023 तक सबके सामने लाएं। विश्वविद्यालय–कॉलेज नए शोध को आगे बढ़ाएं। पेटेंट की प्रक्रिया सिखाएं। कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला भी मंचासीन रहीं।

दीक्षांत समारोह शेष...

10 वर्ष का रोडमैप तैयार करें विश्वविद्यालय

दीक्षा समारोह में कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय 10 वर्ष के लिए रोडमैप तैयार कर हर वर्ष के लक्ष्य को पूरा करते हुए आगे बढ़ें। कुलाधिपति ने मेधावियों को जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों को गोद लेने को प्रेरित किया। कहा कि वे बच्चों को पढ़ाएं और उनका मार्गदर्शन करें।

कस्तूरबा विद्यालय की छात्राओं को भी पदक

दीक्षा समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय पूर्वा अहिरान की 25 छात्राओं को भी स्वर्ण पदक प्रदान किए **(नीचे चित्र में)**। साथ ही उपहार स्वरूप किताब और बैग भी दिए।

पहले एकल, फिर ग्रुप में गए मेधावी

मंच पर 63 पदकों के लिए चयनित मेधावी एक–एक कर गए। इसके अलावा अन्य मेधावियों को विभागवार नौ से 11 छात्रों के ग्रुपों में विभाजित किया गया। मेधावियों के अभिभावक भी दीक्षा समारोह में शामिल हुए।

जल का महत्व बताया

कुलाधिपति और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मुख्य अतिथि पदमश्री डॉ. जेके बजाज और कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला के साथ कलश में जल डालकर दीक्षा समारोह का शुभारम्भ **(नीचे चित्र में)** किया।

दीक्षांत समारोह में पहली बार

- जल भरो कार्यक्रम से जल संरक्षण का संदेश दिया।
- विश्वविद्यालय पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गई।
- सभागार गैलरी में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का प्रदर्शन किया गया।
- दीक्षा समारोह का इंटरनेट मीडिया पर सीधा प्रसारण किया गया।
- पहली बार कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने सभी टॉपर्स को अपने हाथ से मेडल पहनाए।

नई पहल : दीक्षांत समारोह से पहले हुआ दीक्षोत्सव

कुलाधिपति और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर विश्वविद्यालय में इस बार दीक्षांत समारोह से पहले तीन दिवसीय दीक्षोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 7 से 9 दिसंबर तक यह आयोजन एप्लाइड साइंस ऑडिटोरियम और बृहस्पति भवन में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत देशभक्ति गायन से हुई। इसके बाद लोकनृत्य प्रतियोगिता हुई। फिर समूह नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं में छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। देशभक्ति गीत में मेरठ कॉलेज के रितिक प्रथम रहे। लोकनृत्य एकल में ललित कला विभाग की मोहिनी प्रथम रहीं। सामूहिक नृत्य में कनोहर लाल पीजी कॉलेज की टीम विजेता बनी।

8 दिसंबर को बृहस्पति भवन में कविता लेखन, पोस्टर और भाषण प्रतियोगिताएं हुईं। भाषण में तनु व कपिल, पोस्टर में अक्षय और कविता लेखन में शिवम प्रताप सिंह विजयी रहे।

9 दिसंबर को कविता और गीत गायन प्रतियोगिता हुई। कविता में विधि अध्ययन संस्थान की खुशी गोस्वामी ने प्रथम स्थान पाया। महिला सशक्तिकरण

पर हुई गायन प्रतियोगिता में विधि अध्ययन संस्थान के प्रशांत प्रथम रहे। इसके अतिरिक्त विधि अध्ययन संस्थान और तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार संस्थान के छात्रों ने लघु नाटिका प्रस्तुत करके खूब तालियां बटोरीं। गणित विभाग की छात्राओं ने गीत गाया तो बीबीए की छात्रा ईशिका ने महिषासुर मर्दनी पर नृत्य प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि जीत–हार का महत्व नहीं हैं, प्रतियोगिता में भाग लेना बड़ी बात है। प्रत्येक प्रतियोगिता से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। इसलिए कभी हार से निराश नहीं होना चाहिए। वरिष्ठ आचार्य प्रोफेसर वाई विमला ने भी विचार व्यक्ति किए।

कार्यक्रम संयोजिका प्रोफेसर जयमाला, प्रोफेसर आराधना और सविता मित्तल ने कार्यक्रम का संचालन किया।